कपड़ा मिल, खरगोन

१५३५. **श्री रा० का० वर्मा** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जिला निमाड़ के खरगोन नामक स्थान में एक कपड़ा मिल स्थापित करने का निश्चय किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस प्रयोजन के लिये कौन-सा स्थान चुना गया है; और

(ग) मिल का कार्य कब से आरम्भ होगा ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) से (ग). एक विवरण पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) और (ख). १९५६ में दिये जाने के लिये बहुत ही थोड़े तकुए उपलब्ध थे । सरकार की नीति के अनुसार मिलों को ये तकुए निम्नलिखित प्राथमिकता के आधार पर दिये गये :—

(१) पुनर्वास मंत्रालय या राज्य सरकारों द्वारा चलाई गयी शरणार्थी पुनर्वास की योजनाये ।

(२) सहकारी समितियों या राज्य सरकारों द्वारा सरकारी क्षेत्र में स्थापित किये जाने वाले कताई मिल जिनसे उचित दरों पर हथकरघा उद्योग को सूत दिया जा सके ।

मध्य प्रदेश (तत्कालीन मध्य भारत) सरकार ने सरकारी क्षेत्र में एक कताई मिल स्थापित करने की योजना पेश की थी जिससे उचित दरों पर हथकरघा उद्योग को सूत दिया जा सके । इस योजना पर योजना आयोग ने स्वीकृति दे दी थी । तदनुसार, मध्य प्रदेश की सरकार का २५ मई, १९५७ को एक लाइसेंस दे दिया गया था । राज्य सरकार ने यह मिल पश्चिमी नीमाड़ जिले के सनावद नामक स्थान पर स्थापित करने का निश्चय किया है :

(ग) इस मिल की स्थापना के लिये निम्न कदम उठाये जा चुके हैं :—

(१) आवश्यक वित्त जुटाने की व्यवस्था की जा चुकी है;

(२) ८.१८ लाख रु० के मूल्य की आवश्यक टैक्सटाइल मशीनों के अस्थायी आर्डर दिये जा चुके हैं; और

(३) शैल्पिक और प्रशासकीय स्थानों की स्वीकृति दी जा चुकी है और इन पर नियुक्तियां करने का काम चल रहा है ।

आशा है कि यह मिल दूसरी पंच वर्षीय आयोजना की अवधि समाप्त होने तक चालू हो जायेगी ।

पाकिस्तान से डाकुओं के हमले

१५३६. **श्री सरजू पांडे** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जमाल सिंह नाम का डाकू जिसने १९५३ में पाकिस्तान में शरण ली थी, भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों पर प्रायः हमले करता रहता है;

(ख) क्या जमाल सिंह के गिरोह के डाकू निजय सिंह ने फरवरी मास में जैसलमेर के उधानियां नामक ग्राम पर हमला किया था; और

(ग) यदि हां, तो डाकुओं के इन उत्पातों को रोकने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) जगमल सिंह और उसके गिरोह के डाकुओं ने समय-समय पर पाकिस्तान में अपने स्थान से आकर भारतीय प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों पर धावे किये हैं ।